| WILSON EULOGIES AMERIGAN DEAD |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  | SAYS DEMANDS CA EE GARRIED OUT. |
| President Speaks in the Suresnes Cemetery Near Paris. | $5$ |  |  |  | S NOT |
|  |  |  |  |  |  |
| LEAGUE FRUIT OF SACRIFICE |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Asserts It Is the Duty of the Nations Through the Suffering of War Again. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| they found comrades for their courase <br> les of Ilberty ulready in the fleld- |  |  |  | there nre rellable the revec is evill |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ory on the part of those who knew and everybody who saw them in the fleld |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| to the whole world the true spirlt anddevotion of their motherland. It was America who came in the person of |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| tertain these thoughts becausc we |  |  |  |  |  |
| a forelgn land, are not buried in an ing with the spirits of those whe |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | coir |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| no hour of neglect and that constant-ly through all the months that have gone by the mothers at home should |  |  |  | t. |  |
|  |  |  | (erms in erery my pestbe ruis |  |  |
| lnow that there were mothers here who remembered and honored their who |  |  |  |  |  |
|  |  |  | hatho |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| same spirit and In the same language,For the beauty of this war is that ithas brought a new partnershlp and a |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| stunding into the feld of the effort of he nution <br> Lesson Taught by Sacrifice? |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | 00 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| (tamen |  |  |  |  |  |
| hearse to you what these objects were These men did not |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | ment or mosher mo mance |  |
|  |  |  |  |  |  |
| This can be done, It must be done, And it will be done. The things that |  |  |  |  |  |
| In thelr counsels concelve it, is the erected in the league of nations. |  |  |  | $d$ |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

